(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि देश में गत दो वर्षों के दौरान सरकार की नीतियों के परिणामस्वरूप स्वास्थ्य सेवाएं मंहगी होती जा रही हैं ;

(ग) यदि नहीं, तो इस संबंध में सरकार की प्रतिक्रिया क्या है ;

(घ) क्या सरकार देश में सस्ती स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध कराने की व्यवस्था करने पर विचार कर रही है ; और

(ङ) यदि हां, तो उसकी प्रस्तावित रूपरेखा क्या है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) जी हां । यह समाचार कुछेक अस्पतालों में हृदय की शल्य चिकित्सा के खर्च में होने वाली वृद्धि से संबंधित है ।

(ख) से (ङ) प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या प्रणाली, सरकारी अस्पतालों तथा मेडिकल कालेजों के जनरल वार्डों के माध्यम से प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य परिचर्या सेवायें या तो निःशुल्क या बहुत कम खर्च पर उपलब्ध कराई जाती हैं। तथापि, रोगी आमतौर पर विशिष्ट शल्य चिकित्सा के लिये आवश्यक इम्प्लांट खरीद

डायलिसिस से "एड्स" संक्रमण

2359. **श्री मूलचन्द मीणा :**

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 25 नवम्बर, 1992 के "इण्डियन एक्सप्रेस" में "एड्स नाउ एड्स थ्रू डायलिसिस" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या विजया अस्पताल, मद्रास में डायलिसिस किये गये मरीजों के शरीर में एच.आई.वी. रोगाणु प्रवेश कर गए थे ;

(घ) सरकारी तथा प्राइवेट अस्पतालों में डायलिसिस के दौरान "एड्स" के संक्रमण को रोकने के लिये क्या कदम उठाये गये हैं या उठाये जाने की संभावना है ; और

(ङ) भारत में "एड्स" को फैलने से रोकने हेतु कौन से व्यापक कदम उठाए गए हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री बी. शंकरानंद) : (क) जी हां।

(ख) और (ग) सरकार के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार यह समाचार तथ्यों पर आधारित नहीं लगता है । एसा प्रतीत होता है कि पिछले चार वर्षों के दौरान विजया अस्पताल, मद्रास में डायलिसिस पूर्व जांच करते समय केवल दो डायलिसिस के रोगियों को एच.आई.वी. पाजिटिव पाया गया है। अस्पताल में एच. आई. वी. पाजिटिव रोगियों के डायलिसिस के लिए अलग से व्यवस्था भी है।

(घ) यह आवश्यक है कि रक्ताधान के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रक्त की एच.आई.वी. संक्रमण संबंधी जांच पहले की जाए । सभी राज्यों/संघ राज्यों के वे अस्पतालों को अस्पतालों संक्रमण के निमंत्रण के लिए दिशा-निर्देश पहले ही जारी कर दिए गए हैं इन दिशा-निर्देशों में अन्य बातों के साथ साथ डायलिसिस रोगियों में संक्रमण के नियंत्रण से संबंधित अनुदेश भी शामिल हैं।

(ङ) एड्स की रोकथाम करने से संबंधी कार्यनीतियों में शामिल हैं :— जोखिम का आचरण करने वाले समूहों और अन्य लोगों में जागरूकता पैदा करना, यौन संचारित रोग का नियंत्रण, रक्त निरापदता और रक्त का यौक्तिक इस्तेमाल , तथा एच. आई. वी./एड्स के रोगियों की निगरानी, निदान और उपचार के लिए बेहतर सुविधाएं प्रदान करना।